

---

shrI chAmuNDeshvarI aShTottaraShatanAma stotraM

श्रीचामुण्डेश्वरी अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : shrI chAmuNDeshvaryaShTottaraShatanaamastotram

File name : chAmuNDeshvarI108stotra.itx

Category : aShTottaraShatanAma, devii, durgA, stotra, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : May 15, 2007, November 15, 2012

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीयामुण्डेश्वरी अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्



श्री यामुण्डा मातामाया श्रीमत्सिंहासनेश्वरी  
श्रीविद्या वेद्यमहिमा श्रीचक्रपुरवासिनी ॥ १ ॥

श्रीकण्ठदयित गौरी गिरिजा भुवनेश्वरी  
महाकाली महालक्ष्मीः माहावाणी मनोन्माणी ॥ २ ॥

सहस्रशीर्षसंयुक्ता सहस्रकरमण्डिता  
कौसुंभवसनोपेता रत्नकञ्चुकधारिणी ॥ ३ ॥

गणेशस्कन्धजननी जपाकुसुम भासुरा  
उमा कात्यायनी दुर्गा मन्त्रिणी दण्डिनी जया ॥ ४ ॥

कराङ्गुणिनभोत्पन्न नारायण दशाकृतिः  
सयामररमावाणीसव्यदक्षिणसेविता ॥ ५ ॥

धन्वाक्षी भगणा भाला चकेशी विजयाऽम्बिका  
पञ्चप्रेतासनाऽढा उरिद्राकुङ्कुमप्रिया ॥ ६ ॥

महाभलाऽद्रिनिलया मणिषासुरमर्दिनी  
मधुकैटभसंहरत्री मधुरापुरनायिका ॥ ७ ॥

कामेश्वरी योगनिद्रा भवानी यण्डिका सती  
चक्रराजरथाऽढा सृष्टिस्थित्यन्तकारिणी ॥ ८ ॥


अन्नपूर्णा ज्वलःजिह्वा काणरात्रिस्वरुपिणी  
निषुभ शुंभदमनी रक्तबीजनिषूदिनी ॥ ९ ॥


ब्राह्म्यादिमातृकाऽरुपा शुभा षट्चक्रेवता  
मूलप्रकृतिऽरुपाऽऽर्या पार्वती परमेश्वरी ॥ १० ॥

बिन्दुपीठकृतावासा चन्द्रमण्डलमध्यका  
त्रिदशकृपाऽसंभूता विन्ध्याचलनिवासिनी ॥ ११ ॥

उद्यग्रीवागस्त्य पूजया सूर्ययन्द्राग्निलोचना  
 जालन्धरसुपीठस्था शिवा दक्षायणीश्वरी ॥ १२ ॥  
 नवावराणसम्पूजया नवाक्षरमनुस्तुता  
 नवलावण्यरुपाज्या ज्वलद्वात्रिंशतायुधा ॥ १३ ॥  
 कामेशभङ्गमाङ्गल्या यन्द्रेष्वा विभूषिता  
 यरयरजगद्रूपा नित्यङ्गिन्नाऽपराजिता ॥ १४ ॥  
 ओज्यान्नपीठनिलया ललिता विष्णुसोदरी  
 दंष्ट्राकराणवदना वज्रेशी वह्निवासिनी ॥ १५ ॥  
 सर्वमङ्गणरुपाज्या सञ्चिदानन्द विग्रहा  
 अष्टादशसुपीठस्था भेरुण्डा भैरवी परा ॥ १६ ॥  
 रुण्डमालालसत्कण्ठा भण्डासुरविमर्दिनी  
 पुण्ड्रेक्षुकाण्ड कोदण्ड पुष्पभाण लसत्करा ॥ १७ ॥  
 शिवदूती वेदमाता शाङ्करी सिंखवाचना ।  
 यतुःषष्ट्यूपयाराज्या योगिनीगणसेविता ॥ १८ ॥  
 नवदुर्गा भद्रकाणी कदम्बवनवासिनी  
 यण्डमुण्ड शिरःश्रेणी मळाराङ्गी सुधामयी ॥ १९ ॥  
 श्रीचक्रवर्ताटङ्गा श्रीशैलभ्रमराम्बिका  
 श्रीराजराज वरदा श्रीमन्त्रिपुरसुन्दरी ॥ २० ॥  
 शाकम्बरी शान्तिदात्री शतश्रेणी शिवप्रदा  
 राकेन्दुवदना रम्या रमणीयवराकृतिः ॥ २१ ॥  
 श्रीमत्यामुण्डिकादेव्या नाम्नामष्टोत्तरं शतं  
 पठन् भक्त्याऽर्ययन् देवीं सर्वान् कामानवाप्नुयात् ... ..  
 एति श्री यामुण्डेश्वरी अष्टोत्तरशतनाम स्तोत्रम् ... ..

Encoded and proofread by antaratma at Safe-mail.net

——  
*shrI chAmuNDeshvarI aShTottaraShatanAma stotraM*  
pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

